ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

बापदादा तख्तनशीन बच्चों को देख सदा हर्षित रहते

वाह मेरे तख्तनशीन बच्चे!

आज का सुगन्धित पुष्प

Fragrant Flower For Today

आप मन को जिस समय जिस स्थिति में स्थित करना चाहो, स्थित कर सकते हो।

आप दृढ़ इच्छाशक्ति वाले हो। 😊

You can stabilise your mind in whichever stage you want, whenever you want.

You are strong willed! 😊

"अगर बलि का बकरा चिल्लाता है तो वो प्रसाद नहीं माना जाता। एक धक से बिना चिल्लाये स्वाहा हो जाता है तो प्रसाद हो जाता है।"

तो त्याग की परिभाषा समझी? देखो भक्ति मार्ग में भी ये निशानी है कि जब बलि चढ़ाते हैं तो अगर बलि का बकरा चिल्लाता है तो वो प्रसाद नहीं माना जाता। एक धक से बिना चिल्लाये स्वाहा हो जाता है तो प्रसाद हो जाता है। तो बलि के बकरे को भी कहते हैं चिल्लाये नहीं। और आप कहते हैं सहन किया, सहन किया तो क्या ये चिल्लाना नहीं हुआ? चाहे मन में, चाहे मुख से अगर थोड़ा भी चिल्लाते हैं तो प्रसाद नहीं हुआ। बाप को स्वीकार नहीं होता है तो दुआएं कैसे देगा? तो क्या करेंगे, थोड़ाथोड़ा अन्दर चिल्लायेंगे? थोड़ा कोने में, बाथरूम में, छिपकर एकदो आंसू बहायेंगे? थोड़ी तो छुट्टी मिलनी चाहिये!

Avyakt Murli - 19-01-1995

" जब हमारा अंतिम ठिकाना परमात्मा के पास ही है , तो खुशियां और सुख दुनिया में और व्यक्तियों में क्यों ढूंढे ? बस एक परमात्मा को याद करने से ही जिंदगी खुशहाल बन जाएगी । "

BK Dr.Damini

खुशी की खुराक हमे खाना है और
दुसरो के साथ बांटना है।

हम जो पढ़ते, सुनते, देखते हैं वो हमारे
चित्त पर बैठ जाता है।
जो चित्त पर बैठता है वह चिंतन का
हिस्सा बन जाता है।
चिन्तन हमारे करम में आता है और करम
से भाग्य बन जाता है।
ध्यान से पढ़ें, सुनें, देखें... आपका भाग्य बन रहा है।

- BK Shivani

सब बोझ बाप को दे दो

बापदादा- 30.11.1999

सहज को स्वयं ही मुश्किल बनाते हो। मुश्किल है नहीं, मुश्किल बनाते हो। जब बाप कहते हैं जो भी बोझ लगता है वह बोझ बाप को दे दो। वह देना नहीं आता। बोझ उठाते भी हो फिर थक भी जाते हो फिर बाप को उल्हना भी देते हो - क्या करें, कैसे करें...! अपने ऊपर बोझ उठाते क्यों हो? बाप आफर कर रहा है अपना सब बोझ बाप के हवाले करो। 63 जन्म बोझ उठाने की आदत पड़ी हुई है ना! तो आदत से मजबूर हो जाते हैं, इसलिए मेहनत करनी पड़ती है। कभी सहज, कभी मुश्किल। या तो कोई भी कार्य सहज होता है या मुश्किल होता है। कभी सहज कभी मुश्किल क्यों? कोई कारण होगा ना! कारण है - आदत से मजबूर हो जाते हैं और बापदादा को बच्चों की मेहनत करना, यही सबसे बड़ी बात लगती है। अच्छी नहीं लगती है। मास्टर सर्वशक्तिमान और मुश्किल? टाइटल अपने को क्या देते हो? मुश्किल योगी या सहज योगी? नहीं तो अपना टाइटल चेंज करो कि हम सहज योगी नहीं हैं। कभी सहजयोगी हैं, कभी मुश्किल योगी? और योग है ही क्या? बस, याद करना है ना। और पावरफुल योग के सामने मुश्किल हो ही नहीं सकती। योग लगन की अग्नि है। अग्नि कितना भी मुश्किल चीज़ को परिवर्तन कर देती है। लोहा भी मोल्ड हो जाता है। यह लगन की अग्नि क्या मुश्किल को सहज नहीं कर सकती है? कई बच्चे बहुत अच्छी-अच्छी बातें सुनाते हैं, बाबा क्या करें वायुमण्डल ऐसा है, साथी ऐसा है। हंस, बगुले हैं, क्या करें पुराने हिसाब-किताब हैं। बातें बहुत अच्छी-अच्छी कहते हैं। बाप पूछते हैं आप ब्राह्मणों ने कौन सा ठेका उठाया है? ठेका तो उठाया है विश्व परिवर्तन करेंगे। तो जो विश्व-परिवर्तन करता है वह अपनी मुश्किल को नहीं मिटा सकता?

*****

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org